भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 479
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

अगली पीढ़ी के विमानपत्तन

479. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी:
श्री पी. वी. मिधुन रेड्डी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा एक वर्ष में एक बिलियन फेरों का प्रबंधन करने के उद्देश्य से विमानपत्तनों की क्षमता को पांच गुना से अधिक बढ़ाने के लिए भारत निर्माण पहल हेतु अगली पीढ़ी के विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त पहल के उद्देश्य क्या हैं और इसके लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): हवाईअड्डों का उन्नयन/विस्तार एक सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक कारकों, यातायात की मांग/एयरलाइनों की ऐसे हवाईअड्डों के लिए/से परिचालन करने की इच्छा के आधार पर किया जाता है।

हवाईअड्डा अवसंरचना का विस्तार अनेक पहलों जैसे ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) प्रक्रिया के माध्यम से इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए निजी पक्षों को आकर्षित करना, नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के निर्माण के लिए सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान करना, भाविप्रा द्वारा मौजूदा हवाईअड्डों का उन्नयन और आधुनिकीकरण तथा क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) के तहत असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का विकास, के माध्यम से किया जा रहा है।

नागर विमानन मंत्रालय ने देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए 21.10.2016 को आरसीएस-उड़ान योजना की शुरुआत की है। आरसीएस-उड़ान योजना ने अन्य बातों के साथ-साथ, टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई अड्डों/हेलीपोर्ट/वॉटर एयरोड्रोम का विकास करते

हुए देश में विमानन क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान किया है। अब तक 141 लाख से अधिक यात्री आरसीएस उड़ानों के माध्यम से यात्रा कर चुके हैं।

उपर्युक्त प्रयासों से देश में परिचालनरत हवाईअड्डों की कुल संख्या बढ़कर 157 हो गई है, जिनकी प्रतिवर्ष क्षमता 530 मिलियन (एमपीपीए) से अधिक यात्रियों को संभालने की है।

******